दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 2025 ने बढ़ा दी गोरखनाथ मेले की रौनक

5 पति ने पत्नी का गला रेता

8

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 34 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 17 फरवरी, 2025

अब 5 स्टार सुविधाओं से युक्त होंगे गरीबों के मांगलिक कार्यक्रम

सीएम योगी ने दी सौगात

सीएम योगी करीब 103 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देते हुए

गोरखपुर संवाददाता

सीएम योगी करीब 103 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देने के लिए खोराबार टाउनशिप में नगर निगम की तरफ से आयोजित लोकार्पण–शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नगर के नवसृजित वार्ड खोराबार में 4.71 करोड़ रुपये की लागत से बने शहर के पहले कल्याण मंडपम का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब गरीबों और आर्थिक दृष्टि से निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के कार्यक्रम भी फाइव स्टार सुविधाओं से युक्त होंगे और कल्याण मंडपम इसका माध्यम बनेगा। गोरखपुर के पहले कल्याण मंडपम का आज उद्घाटन हो रहा है और अगले कुछ माह में सात नए कल्याण मंडपम भी बनकर तैयार हो जाएंगे।इनमें से पांच कल्याण मंडपम के लिए धनराशि उन्होंने अपनी विधायक निधि से दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम के कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों के लिए कल्याण मंडपम की बुकिंग मात्र 11 हजार रुपये में करने के निर्देश नगर निगम को दिए गए हैं। सीएम योगी गुरुवार को करीब 103 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देने के लिए खोराबार टाउनशिप में नगर निगम की तरफ से आयोजित लोकार्पण–शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने नगर के नवसृजित वार्ड खोराबार में 4.71 करोड़ रुपये की लागत से बने शहर के पहले कल्याण मंडपम का लोकार्पण करने के साथ ही 4.55 करोड़ रुपये की लागत से बने गैस आधारित पशु शवदाह गृह, महादेवपुरम से रामगढ़ताल में फेज 2 (पम्पिंग स्टेशन) तक 2.46 करोड़ रुपये से नाला निर्माण कार्य, एकला बांध से पशु शवदाह गृह (कारकस प्लांट) तक 0.68 करोड़ रुपये से सड़क निर्माण, महेवा स्थित कान्हा गोशाला में 0.97 करोड़ रुपये से शेड निर्माण का लोकार्पण किया। कुल 26.31 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण करने के अलावा उन्होंने 76.40 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याण मंडपम का उद्घाटन नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में एक नई शुरुआत है। किसी भी मांगलिक या सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए यह बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि जिनके पास साधन हैं वे होटलों या बड़े लॉन में कार्यक्रम कर सकते हैं लेकिन जिनके पास पैसा नहीं है, जो गरीब हैं वे कहां जाएंगे। इसे लेकर नगर निगम और विकास प्राधिकरण से कहा था कि कल्याण मंडपम के रूप में ऐसा स्थान हो जहां गरीब, निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के वैवाहिक आयोजन, मांगलिक कार्यक्रम सुविधापूर्ण तरीके से हो सकें। इस कल्याण मंडपम में सभागार, डॉरमेट्री, 6 रूम, किचन और लॉन भी है। सीएम योगी ने कहा कि कल्याण मंडपम गरीबों, निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए स्थायी संपदा हैं जहां फाइव स्टार सुविधाएं हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज गोरखपुर नगर निगम और नगर निकायों को विकास की अन्य अनेक योजनाओं की सौगात मिल रही है। इसमें एक महत्वपूर्ण परियोजना पशु शवदाह गृह की है। इससे जानवरों के शव के अंतिम संस्कार की समस्या का समाधान होगा और लोगों को बदबू से मुक्ति मिलेगी। घंटाघर के बगल में स्थित शहीद बंधु सिंह पार्क में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण युद्धस्तर पर हो रहा है। पार्कों के विकास, सड़कों के चौड़ीकरण व जलनिकासी की परियोजनाओं पर कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोड़धोइया नाला परियोजना के पूर्ण होते ही शहर को जलभराव की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देसी विधि से राप्ती नदी में गिरने वाले लिक्विड वेस्ट, दूषित जल का शोधन किया जा रहा है जिसका इस्तेमाल खेती में होगा।

विकास यात्रा में सहभागी बनने और स्वच्छता के प्रति आग्रही बनने की अपील

मुख्यमंत्री ने लोगों से विकास यात्रा में सहभागी बनने और स्वच्छता के प्रति आग्रही बनने की अपील की। इसके लिए आज विमोचित स्वच्छता कॉमिक का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 40 वर्ष में गोरखपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश ने गंदगी के कारण होने वाली मौतों को देखा है। गंदगी, कूड़ा, तालाबों को पाटने और नालियों के चोक होने के परिणामस्वरूप इंसेफेलाइटिस से बड़े पैमाने पर मौतें होती थीं। लोगों के स्वच्छता के प्रति आग्रही बनने, स्वच्छ भारत मिशन और डबल इंजन सरकार के प्रयासों के परिणाम से आज इंसेफेलाइटिस पूरी तरह समाप्त है।

केजरीवाल पर अब नई मुसीबत

दिल्ली में करारी हार के बाद अब बंगले पर एक्शन की तैयारी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बंगले के नवीनीकरण में अनियमितता की शिकायत के बाद केंद्रीय सतर्कता आयोग ने जांच के

आदेश दिए हैं। सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्रस्तुत तथ्यात्मक रिपोर्ट के आधार पर ब्टब् ने 6 फ्लैगस्टाफ बंगले के नवीनीकरण की जांच शुरू की है। आरोप है कि 40000 वर्ग गज में फैली इस भव्य हवेली के निर्माण के लिए भवन निर्माण मानदंडों का उल्लंघन किया गया है।

अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक सीएम आवास पर सीपीडब्ल्यूडी द्वारा एक तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने के बाद केंद्रीय सतर्कता आयोग ने 13 फरवरी को 6 फ्लैगस्टाफ बंगले (पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का निवास) के नवीनीकरण की जांच का आदेश दिया।

सीवीसी ने सीपीडब्ल्यूडी से इन आरोपों की विस्तृत जांच करने को कहा है कि 40,000 वर्ग गज (8 एकड़) में फैली एक भव्य हवेली के निर्माण के लिए भवन निर्माण मानदंड जारी किए गए थे।

44.85 करोड़ रुपये से स्मार्ट सड़के बनेगी

गोलघर में स्मार्ट सड़क का निर्माण मार्च में होली के बाद शुरू हो जाएगा। निगम ने इसके लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट शहरी (सीएम ग्रिड) योजना के तहत करीब 4.40 किलोमीटर लंबी गोलघर समेत उसके आसपास की तीन प्रमुख सड़कों को 44.85 करोड़ रुपये से स्मार्ट बनाया जाएगा।

योजना के तहत पहली स्मार्ट सड़क 2.37 किलोमीटर लंबी और 18 मीटर चौड़ी होगी। यह शास्त्री चौक से आंबेडकर चौक होते हुए छात्रसंघ चौराहा तक, आंबेडकर चौक से हरिओम नगर तिराहा होते हुए मुख्य डाकघर तिराहा तक और हरिओम नगर से कचहरी चौराहा होते हुए टाउनहाल तक बनाई जाएगी।

दूसरी सड़क टाउनहाल स्थित शिवाय होटल से अग्रसेन तिराहा, विजय चौराहा होते हुए गणेश चौक तक बनेगी। इसकी लंबाई 1. 25 किमी और चौड़ाई 12 मीटर होगी। तीसरी सड़क 0.78 किलोमीटर लंबी और 18 से 24 मीटर चौड़ी होगी। यह कचहरी चौराहे से काली मंदिर तक बनेगी। 20 फरवरी को प्री बिड मीटिंग होगी। 11 मार्च निविदा डालने और खुलने की अंतिम तिथि है। चयनित फर्म को निर्माण के साथ पांच साल तक सड़कों का रखरखाव भी करना होगा।

बंगलूरू की तर्ज पर बनेंगी सड़कें

सड़कों को बंगलूरू और चेन्नई के स्मार्ट रोड की तर्ज पर बनाया जाएगा। सड़क के दोनों तरफ साइकिल और पैदल चलने वालों के लिए छह इंच ऊंचा फुटपाथ बनाया जाएगा। इसके नीचे ही नाली, बिजली के तारों के लिए डक्ट और पीने के पानी व गैस की पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

सड़क पर मोटरसाइकिल, कार व अन्य वाहन चलेंगे। इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि नाली, बिजली या पीने के पानी संबंधी कोई खराबी आने पर सड़क नहीं खोदनी पड़ेगी, जिससे यातायात प्रभावित नहीं होगा।

सीएम ग्रिड फेज दो के तहत गोलघर की सड़कों के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सड़क के दोनों तरफ साइकिल और पैदल चलने वालों के लिए ट्रैक बनाया जाएगा। मार्च में इसका निर्माण शुरू करने की तैयारी है।

संजय चौहान, मुख्य अभियंता, नगर निगम

सम्पादकीय

मोदी के कंधों पर देश की साख

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में छवियों का बड़ा महत्व होता है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच क्या बात हुई, किस वातावरण में हुई, चर्चा में कौन, किस पर हावी रहा, इन बातों का पूरा खुलासा तो आम जनता के बीच कभी नहीं हो सकता है।

ऐसा नहीं है कि भारत के नेताओं के दूसरे देशों के नेताओं के साथ गाढ़े संबंध नहीं रहे। देश के पहले प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू के नाम की धाक तो पूरी दुनिया में थी और तीसरी दुनिया के देश अपनी ताकत जुटाने के लिए नेहरूजी का अनुसरण करते थे। जवाहरलाल नेहरू और इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो के बीच गहरी दोस्ती थी। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में छवियों का बड़ा महत्व होता है। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच क्या बात हुई, किस वातावरण में हुई, चर्चा में कौन, किस पर हावी रहा, इन बातों का पूरा खुलासा तो आम जनता के बीच कभी नहीं हो सकता है, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के तकाजे इसकी अनुमति नहीं देते हैं। लेकिन दो देशों के मुखिया किस तरह आपस में मिले और एक–दूसरे का अभिवादन किया, इसके मायने भी महत्वपूर्ण होते हैं। कैमरे के सामने दो राष्ट्रप्रमुखों का एक–दूसरे से हाथ मिलाना, मुस्कुराते हुए फोटो खिंचाना, द्विपक्षीय चर्चा के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस करना, या किसी अंतरराष्ट्रीय बैठक में तमाम राष्ट्राध्यक्षों की सामूहिक तस्वीर और एक–दूसरे का हाथ पकड़ कर फोटो खिंचाना यह सब अंतरराष्ट्रीय संबंधों में काफी सामान्य बातें हैं। भारत में 10–11 साल पहले तक इस पर शायद ही कोई चर्चा होती थी कि देश के प्रधानमंत्री ने किस राष्ट्राध्यक्ष के साथ, किस तरह से हाथ मिलाया, किस अंदाज में बातें की या उनके साथ घूमे–फिरे। लेकिन जब से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और उनकी विदेश यात्राएं शुरु हुईं, तब से भारत के दूसरे देशों के साथ संबंधों के साथ–साथ इस बात पर भी खासी चर्चा होने लगी कि कौन सा राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री मोदीजी का करीबी मित्र बन गया है, किसके साथ उनके पारिवारिक संबंध बन गए हैं।

ऐसा नहीं है कि भारत के नेताओं के दूसरे देशों के नेताओं के साथ गाढ़े संबंध नहीं रहे। देश के पहले प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू के नाम की धाक तो पूरी दुनिया में थी और तीसरी दुनिया के देश अपनी ताकत जुटाने के लिए नेहरूजी का अनुसरण करते थे। जवाहरलाल नेहरू और इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो के बीच गहरी दोस्ती थी। दोनों ने मिलकर एशिया और अफ्रीका के नेताओं को एकजुट करने का काम किया था। सोवियत संघ में नेहरूजी का नाम काफी आदर और सम्मान से लिया जाता था। जब 1955 में सोवियत संघ से सर्वोच्च नेता निकिता ख्रुश्चेव और निकोलाई बुल्गानिन भारत आए तो पंडित नेहरू ने उन्हें खुली गाड़ी में सैर कराई थी। 1949 में हैरी एस ट्रूमैन और 1961 में जॉन एफ कैनेडी नेहरूजी के अमेरिका दौरे पर उनका स्वागत करने एयरपोर्ट आए थे।

फिलीस्तीन मुक्ति संगठन के प्रमुख यासिर अराफात इंदिरा गांधी को बहन की तरह मानते थे। लेकिन इन सबमें कहीं भी अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के मानकों से परे न कोई व्यवहार हुआ, न नेहरूजी ने कभी अपने निजी संबंधों को देशहित पर हावी होने दिया। छवियों की बात चली है तो यह भी याद कर सकते हैं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन छतरी पकड़ कर कार तक आए थे। लेकिन इसका यह अर्थ कदापि नहीं है कि राजीव गांधी के लिए रोनाल्ड रीगन पक्के दोस्त हो गए थे।

दरअसल अंतरराष्ट्रीय संबंध और छवियों की बात इसलिए करनी पड़ रही है क्योंकि इस समय देश और दुनिया में कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं और उधर अमेरिका में चार साल बाद डोनाल्ड ट्रंप की वापसी हुई है। ट्रंप का सत्ता में लौटना अमेरिका समेत पूरी दुनिया में कई तरह के बदलावों का कारण बन रहा है, क्योंकि इस वक्त बिल्कुल निरंकुश अंदाज में ट्रंप शासन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके शुरुआती कुछ फैसले ही काफी विवादों में आए हैं, लेकिन ट्रंप किसी तरह से बदलते या अपना रुख नर्म करते नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के खास मायने हो जाते हैं कि इस बार किस अंदाज में राष्ट्रपति ट्रंप से उनकी मुलाकात और चर्चा होती है।

याद रहे कि 2020 में नरेन्द्र मोदी ने अबकी बार ट्रंप सरकार कहकर कूटनीतिक शिष्टाचार की सीमाएं तोड़ी थीं। इस बार ट्रंप जीते लेकिन उन्होंने अपने शपथ ग्रहण में नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित नहीं किया। श्री मोदी ने ट्रंप को फिर भी बधाई दी, और एक्स पर दिए अपने बधाई संदेश में माय फ्रेंड यानी मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रंप का संबोधन देते हुए चार ऐसी तस्वीरें चस्पां की, जिनसे लोगों के बीच मोदी–ट्रंप दोस्ती की छवि गाढ़ी हो जाए। हालांकि निजी स्तर के इस बधाई संदेश के बावजूद ट्रंप ने हथकड़ियों और जंजीरों के साथ अमेरिकी सैन्य विमान में भारतीयों को भेजकर यह जतला दिया कि वे ऐसी मित्रता और शिष्टाचार की रत्ती भर परवाह भी नहीं करते हैं।

अमेरिका से भारत की लंबी दूरी में अमानवीय तरीके से लाए गए भारतीयों की छवि केवल देश के लोगों ने नहीं दुनिया ने देखी है और इसके बाद आस्ट्रेलिया के एक स्टेडियम में भारतीय दर्शकों से उनके वीजा के बारे में पूछकर उन्हें चिढ़ाने की घटना हुई, जिससे जाहिर होता है कि इस छवि का नुकसान विश्वव्यापी स्तर पर भारत को हुआ।

आजाद का बयान नये समीकरणों का संकेत

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया पर जो हमले किये हैं उससे नये सियासी समीकरणों के संकेत मिलते हैं

तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया पर जो हमले किये हैं उससे नये सियासी समीकरणों के संकेत मिलते हैं। यह अलग बात है कि उनके इन बयानों में विरोधाभास भी हैं। तो भी जो तल्खी टीएमसी सांसद ने दिखाई है, वह बतलाती है कि इंडिया से कुछ दल अलग हो सकते हैं और यह भी सम्भव है कि विपक्षी दल नये समीकरण रच सकते हैं। कीर्ति आजाद के बयानों का कांग्रेस क्या प्रतिसाद या उत्तर देती है, यह देखने वाली बात है तभी भावी घटनाओं का अनुमान लगाया जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी की हार का ठीकरा एक तरह से कांग्रेस पर फोड़ते हुए पूर्व क्रिकेटर तथा बर्धमान–दुर्गापुर के सांसद कीर्ति आजाद ने यह भी साफ किया कि– ₹2026 में होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव में टीएमसी अकेली उतरेगी। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस का कोई आधार नहीं है इसलिये अपने हितों की अनदेखी कर टीएमसी गठबन्धन को मजबूत करने के फेर में नहीं पड़ेगी।₹ वैसे भी टीएमसी अध्यक्ष तथा प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस आशय का ऐलान सोमवार की पार्टी बैठक में कर ही दिया है। आजाद ने यहां तक कहा कि –₹कांग्रेस ने सहयोगी दल आप की पीठ में छुरा घोंपा है। उसे इंडिया में बने रहने का अधिकार नहीं है।₹ वे पहले ही बोल चुके चुके हैं कि गठबन्धन का नेतृत्व करने के लिये ममता बनर्जी से बेहतर कोई भी नहीं है जिन्होंने अपने राज्य में भारतीय जनता पार्टी को बुरी तरह से हराया है।

उनका यह बयान लगभग उसी लाइन पर है जिस पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और महाराष्ट्र के पूर्व सीएम व शिवसेना (यूबीटी गुट) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे दे चुके हैं। एक तरह से महाराष्ट्र, हरियाणा और उसके बाद दिल्ली हारने के बाद कांग्रेस पर हमले तेज हो गये हैं जो बतलाते हैं कि कुछ दल कांग्रेस को लेकर बेचौन हैं। हालांकि कांग्रेस पर होने वाले इन आक्रमणों में इस बात के अलावा कोई भी शिकायत वाजिब नहीं है कि उसके द्वारा इंडिया गठबन्धन की बैठक नहीं बुलाई जाती या फिर, अब तक कोई संयोजक नहीं बनाया गया है। इन बातों में दम तो हैं लेकिन गठबन्धन यह भूल जाता है कि कांग्रेस केवल नेतृत्व नहीं कर रही है बल्कि उसके पास अपनी दलीय जरूरतें भी हैं जिनमें से एक है खुद को मजबूत बनाना तथा चुनाव लड़ना। इंडिया के शेष जितने भी घटक दल हैं उनकी मौजूदगी एक–एक राज्य में ही है, आप को छोड़कर जिसने अभी दिल्ली खोई है पर पंजाब में उसकी सरकार है। आजाद का यह कहना कि कांग्रेस अपने सहयोगियों का नुकसान करेगी, तर्कसंगत नहीं है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया को भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) के बरक्स देखें तो उसके साथ गये सहयोगी दलों को ज्यादा नुकसान हुआ है। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को तो भाजपा ने ही तोड़ा। अकाली दल की भी दुर्गति हुई। फिर, जिस दिल्ली के नतीजों की आड़ में कांग्रेस की आलोचना की जा रही है, उस सन्दर्भ में यह स्मरण दिलाया जाना लाजिमी है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही आप ने ताबड़तोड़ अपने उम्मीदवार घोषित कर दिये थे जबकि कांग्रेस वहां तालमेल की इच्छुक थी। वह चाहती थी कि उसे करीब 15 सीटें दी जायें जो कि वाजिब मांग थी। जिस प्रकार से आजाद कहते हैं कि उनके राज्य में अकेली ममता या टीएमसी भाजपा से निपटने के लिये काफी है, कुछ वैसा ही गुमान आप को भी था। यह तो सही है कि पिछली दो बार की तरह इस बार भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली लेकिन आप ने कांग्रेस को साथ न लेकर सरकार गंवाई है– यह अब साफ हो गया है। कम से 15 सीटें ऐसी थीं जिन पर यदि दोनों मिलकर लड़ते तो वे सीटें गठबन्धन के खाते में आतीं।

जहां तक महाराष्ट्र व हरियाणा का मसला है, यह नहीं भूलना चाहिये कि इन राज्यों में चुनाव सम्बन्धी बड़ी गड़बड़ियों का संदेह है। महाराष्ट्र में लोकसभा से विधानसभा चुनावों के बीच जिस प्रकार से 72 लाख मतदाता बढ़ गये, वह सबके ध्यान में है। हरियाणा में प्रारम्भ से आगे चल रही कांग्रेस को जिस तरह से कुछ मिनटों के भीतर मतगणना धीमी कर निपटाया गया, उसे भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। गड़बड़ तो दिल्ली में भी हुई है लेकिन बहस ऐसी दिशा में मोड़ दी गयी है– स्वयं इंडिया के घटक दलों के द्वारा कांग्रेस पर हमला करके, कि यहां चुनावी धांधली पर न किसी का ध्यान जा रहा है और न ही उसे कोई चर्चा में ला रहा है। स्वाभाविकतरू यह स्थिति भाजपा, सरकार और चुनाव आयोग के पक्ष में बनती है कि उस पर आरोप लगाने का किसी के पास अवकाश ही नहीं है। कीर्ति आजाद भूल जाते हैं कि भाजपा के इशारे पर ऐसी धांधलियां हर उस राज्य में होगी, जहां चुनाव होंगेय बेशक, पश्चिम बंगाल भी उसमें होगा।

ध्यान रहे कि आरोप लगाने वाले ज्यादातर सहयोगी दल गठबन्धन की सामूहिक आवाज बनकर कांग्रेस का साथ देते नजर नहीं आते, एकाध को छोड़कर। अनेक मुद्दों पर अकेले कांग्रेस ने आवाज उठाई लेकिन उससे पूरा इंडिया लाभान्वित हुआ है। फिर वह चाहे अंबानी–अदानी का मुद्दा हो या जातिगत जनगणना का। संविधान एवं आरक्षण पर भी कांग्रेस लगभग अकेली आवाज उठाती रही। गठबन्धन केवल चुनाव को लेकर नहीं हो सकता– विमर्श के स्तर पर भी एका नजर आनी चाहिये।

टैरिफ में बढ़ोतरी के ट्रंप के फैसले से भारत को घबराने की कोई जरूरत नहीं

निर्यात बास्केट में इनमें से अधिकांश उत्पादों पर, ट्रम्प का उच्च टैरिफ उल्टा पड़ सकता है, जिससे अमेरिकी उपभोक्ता निराशा में पड़ सकते हैं और उन्हें उच्च कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, हीरे और अर्ध–कीमती पत्थर, वस्त्र और रेडीमेड वस्त्र वे उत्पाद हैं, जो अमेरिका को भारत के निर्यात बास्केट का लगभग पांचवां हिस्सा हैं। वर्तमान में भारत की निर्यात आर्थिक वृद्धि के लिए अमेरिका प्रमुख उत्प्रेरक है। यह भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। निर्यात वृद्धि का प्रक्षेपक्रगत वर्षों में यदा–कदा नहीं रहा है। अमेरिका एक दशक से अधिक समय से लगातार भारतीय माल का सबसे बड़ा आयातक रहा है। यहां तक कि डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017–2020) के दौरान भी, निर्यात में समग्र वृद्धि बरकरार रही, हालांकि ट्रंप का संरक्षणवाद था। अमेरिका को निर्यात ने भारत की बाहरी अर्थव्यवस्था के लिए साल–दर–साल प्रगतिशील विकास के बीज बोये, जिससे भारत के बड़े आयातों में काफी हद तक संतुलन बना रहा। भारत के निर्यात में इसकी हिस्सेदारी 2013–14 में 12.4 प्रतिशत से बढ़कर 2023–24 में 17.7 प्रतिशत हो गयी।

इस संबंध में, ट्रम्प के भयंकर टैरिफ युद्ध और आव्रजन विरोधी नीति के साथ भारत की अमेरिका पर अत्यधिक निर्भरता चिंताजनक संकेत देती है। फिर भी, स्थिति उतनी गंभीर नहीं है, जितनी बताई जा रही है। लचीलेपन के लिए जिम्मेदार कारक निर्यात बास्केट और उचित लागत पर अपरिहार्य गुणवत्तापूर्ण भारतीय आईटी सेवाएं हैं। निर्यात में आश्चर्यजनक वृद्धि, ट्रम्प के अहंकार को रोकती है, तथा निर्यात बास्केट में उत्पाद विशेषताओं को जिम्मेदार ठहराती है। वे हीरे, रेडीमेड वस्त्र, वस्त्र, दवाएं और फार्मास्यूटिकल्स और पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद हैं। निर्यात बास्केट में इनमें से अधिकांश उत्पादों पर, ट्रम्प का उच्च टैरिफ उल्टा पड़ सकता है, जिससे अमेरिकी उपभोक्ता निराशा में पड़ सकते हैं और उन्हें उच्च कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, हीरे और अर्ध–कीमती पत्थर, वस्त्र और रेडीमेड वस्त्र वे उत्पाद हैं, जो अमेरिका को भारत के निर्यात बास्केट का लगभग पांचवां हिस्सा हैं। इनमें से किसी भी उत्पाद समूह में, अमेरिकी निवेशक न तो निवेश करने के लिए उत्सुक हैं और न ही उनके पास प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उत्पादन करने का कौशल है। भारतीय हीरों का प्रवेश मानवीय क्षमता पर निर्भर करता है, जिसके लिए कारीगरों के कई वर्षों के अनुभव की आवश्यकता होती है। भारत को छोटे हीरों की कटाई और पॉलिशिंग के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में जाना जाता है। वे आकार और ग्रेड में विविध रेंज के साथ कम श्रम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले अच्छी तरह से कटे हुए हीरे का उत्पादन करते हैं।

जटिल डिजाइन, कुशल शिल्प कौशल, कम कीमत, शैलियों की बड़ी विविधता और विविध समुदायों से आने वाले विविध डिजाइन और फैशन जैसे कारकों के संयोजन के कारण भारतीय परिधान यूएसए में लोकप्रिय हैं। भारतीय परिधान अपने जटिल पैटर्न, कढ़ाई और रेशम और कपास जैसे विविध कपड़ों के कारण वियतनामी और चीनी परिधानों की तुलना में अधिक पसंद किये जाते हैं, जो एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। तेल रिफाइनरी उत्पाद, दवाएं और फार्मास्यूटिकल्स भारत के संयुक्त राज्य अमेरिका को कुल निर्यात में बड़ी हिस्सेदारी रखते हैं। 2023–24 में वे भारत के अमेरिका को कुल निर्यात के लगभग 19 प्रतिशत थे। भारतीय तेल रिफाइनरी उत्पादों को अमेरिका में अन्य देशों के मुकाबले इसलिए पसंद किया जाता है क्योंकि वे सस्ते रूसी तेल के कारण किफायती होते हैं। प्रतिबंध के बाद, रूसी कच्चे तेल की कीमत भारत के लिए 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी, जबकि वैश्विक कीमत 80 से 90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल थी। जाहिर है, ट्रंप के संरक्षणवाद का पिछला अनुभव खतरे को कम करेगा। ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017–20) के दौरान, जीएसपी योजना (सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली) के तहत विशेष दर्जा वापस लेने और स्टील और एल्युमीनियम पर उच्च टैरिफ लगाने से भारत से निर्यात कम नहीं हुआ। संयोग से, इस अवधि में जीएसपी लाभ की चमक फीकी पड़ गयी। यह अमेरिका को भारत के निर्यात का 2 प्रतिशत था।

2025 ने बढ़ा दी गोरखनाथ मेले की रौनक

उत्तर प्रदेश के महाकुंभ 2025 (डीं ज्ञनउइी डमसं 2025) के चलते गोरखनाथ मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। प्रयागराज से पवित्र स्नान करके श्रद्धालु गोरखनाथ बाबा के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मेले में दुकानदारों की भी चांदी है। इस बार मौसम ने भी अच्छा साथ दिया है। गोरखपुर और आसपास के लोग भी मेले में पहुंच रहे हैं।

संवाददाता, गोरखपुर। मकर संक्रांति पर्व पर शुरू होकर महाशिव रात्रि तक चलने वाले गोरखनाथ के खिचड़ी मेले की रौनक महाकुंभ (डीं ज्ञनउइी डमसं 2025) ने बढ़ा दी है। कोई प्रयागराज से पवित्र स्नान करके गुरु गोरक्षनाथ बाबा का दर्शन करने पहुंच रहा है। तो कोई यहां से दर्शन पूजन करके प्रस्थान कर रहा है। मंदिर परिसर में लगे मेले में श्रद्धालुओं का रेला लगा हुआ है। इससे दुकानदार काफी खुश हैं। उनका कहना है कि इस बार मौसम ने भी अच्छा साथ दिया। धूप खिलने से गोरखपुर और आसपास के लोग भी मेले में पहुंच रहे हैं।

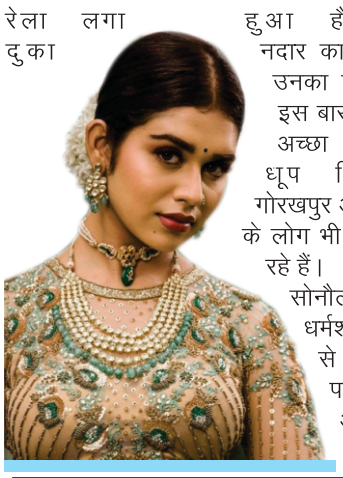

सोनौली हाइवे पर धर्मशाला बाजार से आगे बढ़ने पर गोरखनाथ ओवरब्रिज के पास रेलवे सुरक्षा बल रिजर्व लाइंस के परिसर में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की बसें खड़ी हो रही हैं। शुक्रवार की दोपहर एक बजे राजस्थान, बिहार और नेपाल से आए श्रद्धालुओं की एक दर्जन से अधिक बसें खड़ी मिली। उन बसों में सवार होकर आने वाले कुछ श्रद्धालु गोरखनाथ मंदिर दर्शन करने चले गए। तो कुछ वहां से लौटकर भोजन करने के बाद अगले पड़ाव की ओर रवाना होने की तैयारी में जुटे रहे।

"राजस्थान, बिहार और नेपाल सहित अन्य जगहों के श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंच रहे गुरु गोरक्षनाथ मंदिर कोई प्रयागराज से लौटकर आ रहा गोरखनाथ तो कोई बाबा का आशीर्वाद लेकर कर रहा प्रस्थान

नेपाल राष्ट्र की बस के सामने खड़े गोरखनाथ बाबा के जयकारे लगा रहे चुल्हाई चौरसिया, सीताराम, हरखशाह, सूरज चौधरी ने बताया कि उन लोगों ने 90 यात्रियों संग नेपाल के गुजरा एक, परसवा, रोतहट से अपनी यात्रा की शुरूआत पांच दिनों पूर्व की। रक्सौल बार्डर होते हुए भारत में आए।

काशी विश्वनाथ का दर्शन करने के बाद प्रयागराज महाकुंभ में पवित्र स्नान करके शुक्रवार की सुबह आठ बजे गोरखपुर पहुंचे। बाबा गोरखनाथ का आशीर्वाद लेकर अब अयोध्या धाम जा रहे हैं। वहां से अपने गांव लौट जाएंगे। तभी चालक ने हार्न बजा दिया। लोग बिना समय गवाएं बसों में सवार होकर चले गए।

परिसर के एक कोने में आम के पेड़ नीचे गैस चूल्हे पर बड़ा सा भगौना चढ़ाकर सब्जी पक रही थी। बगल में ही त्रिलोक राम चौधरी, राजू सिंह, निंबाराम 60 लोगों के खाने के लिए भोजन पकाने में व्यस्त थे। वहीं बिछी एक बड़ी कालीन पर एक तरफ महिलाएं और दूसरी ओर पुरुष आराम की मुद्रा में मिले।

आसपास घूमते देखकर लेटे हुए प्रेमदास शास्त्री ने बताया कि वह लोग राजस्थान के जोधपुर, असिया तहसील से आए हैं। राजस्थान से चलकर पहले अयोध्या पहुंचे। प्रभु श्रीराम का दर्शन करने बाद यहां आए हैं। गोरक्षनाथ बाबा का दर्शन करेंगे। मेले में खरीदारी करेंगे। इसके बाद प्रयागराज चले जाएंगे। उनके साथ जमुना देवी, शांति, खंभा देवी, कमला इत्यादि महिलाएं भी हैं।

सभी संगम में नहाने के पहले गोरखनाथ की पूजा करने का संकल्प लेकर घर से निकली हैं। बिहार के बरौली की रहने वाली सुमन देवी ने बताया कि वह पहली बार गोरखपुर आई हैं। मेले में सस्ता और अच्छा सामान मिलने पर उन्होंने खूब खरीदारी की। उनके साथ गांव और आसपास के 50 लोग बस से पहले प्रयागराज, वाराणसी और अयोध्या से दर्शन पूजन करके लौटे हैं। यहां से बिहार चले जाएंगे।

मेले में टेडी बियर की दुकान लगाने वाले बस्ती के रामकरन ने बताया कि इस साल मौसम ने अच्छा साथ दिया है। इसलिए सबकी दुकानदारी खूब चमक रही है। मेले में स्थानीय लोगों के ज्यादा बाहरी ग्राहक आ रहे हैं। इस वजह से व्यवसाय अच्छा हो रहा है। खजला, सजावट, क्राकरी सहित अन्य सामान बेचने वाले दुकानदारों ने बताया कि महाकुंभ में जाने वाले अधिकांश लोग यहां आ रहे हैं। अलग अलग प्रदेशों से आने वाले लोगों की संख्या अधिक है।

पैन कार्ड में संशोधन के नाम पर आयकर अधिकारी ले रहा था 2500 रुपये घूस

सीबीआई ने किया गिरफ्तार

गोरखपुर। देवरिया में सीबीआई ने पैन कार्ड में संशोधन के नाम पर 2500 रुपये घूस लेते हुए आयकर अधिकारी को गिरफ्तार किया है। नगर पालिका रोड देवरिया निवासी गणेश प्रसाद गोंड की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई है। आयकर विभाग देवरिया में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने बड़ी कार्रवाई की है। आयकर विभाग के ऑफिस सुपरिटेंडेंट (ओएस) अजय कुमार मौर्य को पैन कार्ड में संशोधन के नाम पर 2500 रुपये घूस लेते गिरफ्तार किया गया है। सूत्रों की मानें तो इस मामले में एक और विभाग के बाबू का नाम भी सामने आया है, लेकिन अवकाश पर होने की वजह से वह कार्रवाई से बच गया। बयान के आधार पर उसका नाम भी इस मामले में जोड़ने की तैयारी है।

नगर पालिका रोड देवरिया निवासी गणेश प्रसाद गोंड की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई है। बीते 13 फरवरी को गणेश प्रसाद ने सीबीआई से शिकायत की थी। शिकायती पत्र में गणेश ने आरोप लगाया कि उनके पास एक पैन कार्ड है। संशोधन के दौरान गलती से दूसरा पैन कार्ड बन गया था। गलती से बने दूसरे कार्ड को निरस्त करवाने के लिए देवरिया आयकर विभाग में आवेदन किया था। इस दौरान उनकी मुलाकात अजय मौर्य से हुई, जो ओएस पद पर तैनात है। उन्होंने पैन कार्ड सरेंडर करने के लिए उनसे 2500 रुपये की रिश्वत मांगी। सीबीआई ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज करते हुए मामले की जांच की और आरोपी ओएस को रंगे हाथों घूस लेते दफ्तर से ही गिरफ्तार कर लिया।

सुबह पिता से कराया मोबाइल रीचार्ज... दोपहर में इसलिए दी जान, आईएएस बनना चाहती थी अदिति

संत कबीर नगर । गोरखपुर में ज्वाइंट इंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई–मेन) में असफल होने पर इंटर की छात्रा अदिति मिश्रा (18) ने खुदकुशी कर ली। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे बेतियाहाता स्थित गर्ल्स हॉस्टल के कमरे में छात्रा ने पंखे में फंदा लगाकर जान दे दी। कमरे में एक सुसाइड नोट मिला है। संत कबीर नगर जिले के मेंहदावल के मिश्रौलिया निवासी अजयनाथ मिश्र की पुत्री अदिति का शव गोरखपुर के निजी हॉस्टल में फंदे से लटकता मिलने से हर कोई स्तब्ध है। बुधवार की सुबह ही उसने अपने पिता से अपना मोबाइल रिचार्ज करवाया था। बचपन से ही मेधावी अदिति का लक्ष्य आईआईटी करके आईएएस बनना था। इस दिशा में वह प्रयत्नशील भी थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। अदिति के पिता अजयनाथ मिश्र शिक्षा क्षेत्र मेंहदावल में प्राथमिक स्कूल धौरापार में प्रधानाध्यापक हैं। अदिति उनकी दो बेटियों में बड़ी थी। हाईस्कूल की परीक्षा उसने प्रेमा एजुकेशनल एकेडमी से अच्छे अंकों से उत्तीर्ण की थी।

मन मुताबिक नंबर नहीं आने से वह परेशान थी अदिति

उसकी प्रतिभा को देखकर ही उसके पिता ने उसको 10वीं की परीक्षा पास करने के बाद ही आईआईटी की तैयारी करने के लिए गोरखपुर के एक निजी कोचिंग संस्थान में भेज दिया था। अदिति जेईई मेंस की गोरखपुर में रह कर काफी समय से तैयारी कर रही थी और जेईई मेंस की परीक्षा भी दी थी। लेकिन मन मुताबिक नंबर नहीं आने से वह परेशान थी। अदिति का कोई भाई नहीं है। शुरू से ही वह पढ़ने में काफी होनहार थी। सोमवार को ही वह अपने घर मिश्रौलिया से गोरखपुर गई थी। मंगलवार को आए परीक्षा परिणाम में नंबर कम होने कारण कुछ परेशान थी। बुधवार की सुबह अपने पिता के नंबर पर मोबाइल में रिचार्ज करने के लिए फोन किया था। पिता अजयनाथ ने मोबाइल का रिचार्ज करते हुए परीक्षा को लेकर चिंता न करने को लेकर आश्वस्त किया था।

होनहार बिटिया की मौत से गांव के लोग भी दुखी

अदिति के माता–पिता घटना के बाद से सदमे में हैं। घटना की जानकारी पाते ही वह अपने मित्रों व स्वजनों के साथ गोरखपुर पहुंच गए। उनके रोने बिलखने से हर किसी की आंखें नम हो गई। मेंहदावल क्षेत्र में हर कोई इस घटना के कारण आहत है।

होनहार बेटी ने यह कदम क्यों उठाया इसको लेकर सभी चर्चाओं में व्यस्त थे। घर पर सन्नाटा पसरा हुआ था और पूरे मोहल्ले में मातम पसरा दिखा। गांव के लोग भी होनहार बिटिया की मौत से दुखी हैं। घटना की जानकारी होते ही दरवाजे पर पड़ोसी और उनके रिश्तेदारों की भीड़ जुटने लगी।

कुलपति के निजी सचिव हैं बड़े पिता

अदिति के बड़े पिता डॉ. विजय नाथ मिश्र बचत निदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। सेवानिवृत्ति के बाद वह इंदिरागांधी अनुसूचित जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक में कुलपति के निजी सचिव

हैं। उनका भी अदिति से विशेष स्नेह था। वह हमेशा उसको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे।

आईएएस बनना चाहती थी अदिति

बीआरडी मेडिकल कॉलेज के पास रहने वाली अदिति की मौसी कल्पना और मौसा सूर्यनाथ मिश्रा घटना के कुछ ही देर बाद वहां पहुंच गए। मौसी ने कहा कि मंगलवार को जेईई मेन के रिजल्ट आने पर उनकी बात अदिति से हुई थी। उसने कहा था कि सफल नहीं हुई तो क्या हुआ, आगे आईएएस की तैयारी करेगी। वह शुरू से ही आईएएस बनना चाहती थी। अदिति के मौसा बोले–जब तबीयत खराब होती थी तब हमलोग उसे डॉक्टर को दिखाते थे। बोला भी था कि जब भी कोई परेशानी हो वह उनके घर चली आए।

जेईई–मेन में असफल होने पर छात्रा ने जान दी

गोरखपुर में ज्वाइंट इंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई–मेन) में असफल होने पर इंटर की छात्रा अदिति मिश्रा (18) ने खुदकुशी कर ली। बुधवार दोपहर करीब 12 बजे बेतियाहाता स्थित गर्ल्स हॉस्टल के कमरे में छात्रा ने पंखे में फंदा लगाकर जान दे दी। कमरे में एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें छात्रा ने असफलता मिलने पर खुदकुशी करने की बात लिखी है। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

संतकबीरनगर जिले के मेंहदावल स्थित मिश्रौलिया गांव के निवासी अजय मिश्रा की बेटी अदिति दो साल से गोरखपुर के बेतियाहाता स्थित गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी। वह बेतियाहाता स्थित एक कोचिंग सेंटर में पढ़ाई कर तैयारी कर रही थी। छात्रा के पिता मेंहदावल प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक हैं। फूफा ध्रुव कुमार त्रिपाठी एमएलसी हैं। गर्ल्स हॉस्टल के कमरे में अदिति के साथ एक और छात्रा रह रही थी।

वह गोला इलाके की रहने वाली है। वह शहर के एक कॉलेज से बीए की पढ़ाई कर रही है। छात्रा ने बताया कि सुबह अदिति के साथ बातचीत हुई थी। उस समय तक सामान्य अवस्था में थी। छात्रा के मुताबिक, वह कमरे से बाजार गई थी। दोपहर 12रू05 बजे लौटी तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। कई बार आवाज देने और खटखटाने के बाद भी जवाब नहीं मिला तो हॉस्टल के कर्मचारियों को सूचना दी। छात्रा के घरवाले पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर रहे थे, उन्हें समझाया गया। इसके बाद कैंट थाने की पुलिस ने शव को बीआरडी मेडिकल कॉलेज भिजवाकर पोस्टमार्टम कराया। रिपोर्ट में भी मौत का कारण हैंगिंग यानी फंदे से लटक कर मौत आई है। शाम करीब 06रू30 बजे शव लेकर परिजन संतकबीरनगर स्थित घर चले गए।–अभिनव त्यागी, एसपी सिटी

गोरखपुर वासियों को नहीं सता पाया जाड़ा पर सताएगी गर्मी

गर्मी में रिकार्ड होगा सामान्य से अधिक तापमान दिन के मुकाबले रात पर होगा गर्मी का ज्यादा असर

संवाददाता, गोरखपुर। चढ़ते तापमान पर तेज पछुआ हवा लगाम लगाने का प्रयास कर रही पर सफल नहीं हो पा रही। गुरुवार को अधिकतम तापमान का 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान का 12 डिग्री से ऊपर रिकार्ड होना इसका प्रमाण है।

वायुमंडल के रुख और अपने अध्ययन के आधार पर मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय गर्मी के मौसम में भीषण गर्मी पड़ने का पूर्वानुमान जता रहे हैं। उनका कहना है कि जाड़े के मौसम ने पूर्वानुमान के मुताबिक नहीं सताया लेकिन गर्मी सताएगी। शहर सहित समूचे पूर्वी उत्तर प्रदेश का ताप बढ़ाएगी।

मौसम विज्ञानी ने बताया कि जाड़े के मौसम के प्रतिनिधि महीने दिसंबर व जनवरी का तापमान सामान्य के करीब रहा। ऐसे में भीषण ठंड का अहसास इस बार कम ही बार हुआ। दिसंबर में अधिकतम तापमान सामान्य से मामूली अधिक रिकार्ड हुआ और न्यूनतम तापमान सामान्य से मामूली कम। ऐसे में दिन सामान्य से अधिक गर्म रहा और रात सामान्य से अधिक ठंडी। जबकि जनवरी में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक। ऐसे में जनवरी के दिन अपेक्षाकृत ठंडे रहे और रात अपेक्षाकृत गर्म। मौसम विज्ञानी के अनुसार यह वायुमंडलीय परिस्थितियां जलवायु परिवर्तन के चलते देखने को मिल रही हैं। जलवायु परिवर्तन के चलते वातावरण लगातार गर्म हो रहा है।

गोरखपुर में गर्मी ने दस्तक दे दी है। तापमान में लगातार हो रही वृद्धि से लोग परेशान हैं। मौसम वैज्ञानिक कैलाश पांडेय का कहना है कि इस बार गर्मी भीषण होगी। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को इसका मुख्य कारण बताया है। जानिए गर्मी से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए और कैसे रखें अपने चेहरे को चमकदार।

इस आधार पर कहा जा सकता है कि इस बार मार्च, अप्रैल और मई में अपेक्षाकृत अधिक गर्मी पड़ेगी। दिन की गर्मी तो सताएगी ही, रात को भी राहत नहीं मिलेगी। कैलाश पांडेय ने बताया कि अगले चार से पांच दिन में शहर का तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकार्ड होगा। न्यूनतम तापमान भी 14 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। ऐसे में दिन प्रति दिन गर्मी का सिलसिला बढ़ेगा।

चमकता रहेगा चेहरा, संतरे, शिमला मिर्च खाएं

आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज चर्म रोग विभाग के अध्यक्ष डा. यतेंद्र चाहर ने बताया कि अब कम उम्र में ही चेहरे पर झुर्रियां पड़ रही हैं, चेहरे की चमक गायब हो रही है। खान पान ठीक रखने से चेहरा भी चमकता है। इसके लिए एंटीआक्सीडेंट युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करें इसके साथ ही विटामिन सी से भरपूर फल खाएं। संतरा, नीबू और कीवी में विटामिन सी अच्छी मात्रा में होता है। इससे त्वचा में कोलाजेन का उत्पादन बढ़ता है और झुर्रियां नहीं पड़ती हैं। वहीं, पालक, शिमला मिर्च में भी विटामिन सी और विटामिन ए होता है, इससे त्वचा की कोशिकाओं का विकास होता है और चेहरे की चमक बनी रहती है। इस सबके साथ ही पानी भी खूब पीएं और नियमित व्यायाम करें।

सईद के बिछड़ने से लेकर मिलने तक की कहानी क्या है?

बरेली। एक नौ साल का लड़का अपने मजदूर माता–पिता के साथ जम्मू–कश्मीर जाता है। वहां रेलवे स्टेशन पर भीड़ में वह गुम हो जाता है। 22 साल बाद वह अचानक अपने घर लौट आता है। यह कहानी है मोहम्मद सईद उर्फ छोटन की। इस कहानी में कहीं झोल तो नहीं है, इसकी जांच पड़ताल अब पुलिस कर रही है। बरेली के नवाबगंज कस्बे की नई बस्ती निवासी समीर अहमद के घर में जश्न का माहौल है। 22 साल पहले कश्मीर में बिछड़ा उनका बेटा मोहम्मद सईद उर्फ छोटन अब घर लौट आया है। साथ में उसकी पत्नी और चार बच्चे भी हैं। इस बीच जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं।

कश्मीर में लापता होने के बाद पूरनपुर पहुंचने और फिर जयपुर में परिवार बसाने की कहानी में कहीं झोल तो नहीं, इसे लेकर जांच की जाएगी। एसएसपी ने पुलिस व एजेंसियों को जांच का निर्देश दिया है। समीर अहमद पत्नी नाजरा के साथ चार दिन पहले जयपुर गए थे। वहां राजमिस्त्री का काम करने वाले युवक से मुलाकात हुई। उसने खुद को उनका बेटा सईद अहमद उर्फ छोटन बताया।

तब समीर की आंखों के सामने 22 साल पहले का मंजर घूम गया जब नौ साल का बेटा उनसे बिछड़ गया था। छोटन ने कई ऐसी बातें बताईं जिससे नाजरा को यकीन हो गया कि वह उन्हीं का खोया हुआ बेटा है। अब उनके घर में जश्न का माहौल है। रिश्तेदार भी पहुंच गए हैं। छोटन ने जयपुर से पत्नी–बच्चों को भी बुला लिया है।

आंखों के सामने से ही हो गया था ओझल

समीर अहमद ने बताया कि 26 मई 2003 को वह पत्नी नाजरा, बेटे शब्बू, छोटन, नईम, वसीम व बेटी नेहा के साथ जम्मू–कश्मीर में मजदूरी करने जा रहे थे। जम्मू रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरे तो प्लेटफॉर्म पर भीड़ थी। इसी दौरान उनका नौ साल का बेटा छोटन कहीं गुम हो गया। काफी तलाशने के बाद उन्होंने वहीं बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पिता ने जम्मू कश्मीर के सभी थानों में जाकर बेटे के बारे में जानकारी की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला।

ऐसे हो सकी मुलाकात

समीर अहमद ने बताया कि नवाबगंज के कई परिवार जयपुर में रहते हैं। इन्हीं में से एक महिला ने उन्हें बताया कि जयपुर में एक युवक राजमिस्त्री का काम करता है। वह खुद को बचपन में खोने की बात बताता है। सगीर अपनी पत्नी को साथ लेकर वहां पहुंचे तो छोटन ने उन्हें पहचान लिया। तब दंपती उसे नवाबगंज में अपने घर ले आए।

ये कहानी बताई

छोटन ने परिजनों को बताया कि उनसे बिछड़ने के बाद वह इधर–उधर भटकता रहा। 15 साल पहले पूरनपुर (पीलीभीत) निवासी राज मिस्त्री चांद मियां उसे अपने साथ ले गए। उन्हीं ने उसे बेटे की तरह पाला और राज मिस्त्री का काम सिखाया। चांद मियां ने ही भिखारीपुर गांव निवासी नसीम बेगम से उसकी शादी करा दी। अब उसके चार बेटे आयान, अरसलान, अरमान व सुभान हैं।

बोलेरो में बुरी तरह फंसी थीं लाशें

लाशें ही लाशें...

बस से टक्कर के बाद वाहन में फंसे थे शव, इस चूक से 10 की मौत

प्रयागराज। यूपी की प्रयागराज में महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की बोलेरो हादसे का शिकार हो गई। बोलेरो और बस की टक्कर में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 19 श्रद्धालु घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में एक बार फिर से दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में दस श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। जबकि 19 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। दर्दनाक हादसा कैसे हुआ, पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में नींद की झपकी आना बताई जा रही है। प्रयागराज में शुक्रवार की रात लगभग दो बजे यह बड़ा हादसा हुआ। श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो और श्रद्धालुओं से ही भरी बस के बीच भीषण टक्कर होने से यह सड़क हादसा हुआ। जिस समय हादसा हुआ, उस वक्त बस और बोलेरो में सवार लोग गहरी नींद में थे।

जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से श्रद्धालुओं को लेकर महाकुंभ में स्नान कराने के लिए आ रही एक बोलेरो प्रयागराज के मेजा थाना इलाके में पहुंचते ही मिर्जापुर–प्रयागराज हाईवे पर मनु के पूरा गांव के सामने बेकाबू हो गई। बेलेरो की सामने से आ रही एक बस से भीषण टकर हो गई।

बोलेरो में सवार सभी दस श्रद्धालुओं की मौत

हादसे में बोलेरो बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बोलेरो में सवार सभी दस श्रद्धालुओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बोलेरो में श्रद्धालु बुरी तरह से फंस गए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जेसीबी बुलाकर बोलेरो में फंसे लाशों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे में मृत श्रद्धालुओं की पहचान

बोलेरो में सवार छत्तीसगढ़ कोरबा के रहने वाली ईश्वरी प्रसाद जायसवाल, संतोष सोनी, भागीरथी जायसवाल, सोमनाथ, अजय बंजारे, सौरभ कुमार सोनी, गंगा दास वर्मा, शिवा राजपूत, दीपक वर्मा, राजू साहू की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। चारों तरफ चीख–पुकार मची थी। बोलेरो से टकराने वाली बस भी महाकुंभ से श्रद्धालुओं को स्नान कराकर लौट रही थी। बस में सवार सभी श्रद्धालु मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के रहने वाले हैं।

प्रयागराज–मिर्जापुर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

जिलाधिकारी ने बताया कि मेजा में प्रयागराज मिर्जापुर हाईवे पर शुक्रवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। यहां श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो और बस में आमने–सामने से भिड़ंत हुई है। उन्होंने बताया कि बोलेरो सवार सभी 10 श्रद्धालुओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। यह सभी छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के रहने वाले थे और संगम स्नान के लिए मेला क्षेत्र में आ रहे थे। जिलाधिकारी ने हादसे में बस में सवार 19 श्रद्धालु भी जख्मी हुए हैं जो संगम स्नान के बाद वाराणसी जा रहे थे। सभी घायलों को सीएचसी रामनगर में भर्ती कराया गया है। बस में सवार सभी श्रद्धालु मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के रहने वाले हैं।

चालक को आई नींद की झपकी से हुआ हादसा

प्रयागराज में शुक्रवार देर रात हुई दर्दनाक घटना ने लोगों को झकझोर दिया है। शुरुआती जांच में सामने आया था कि बोलेरो चालक को नींद की झपकी आई थी। इसी वजह से यह हादसा हुआ। झपकी के कारण एक पल में दस श्रद्धालुओं की जान चली गई। बताया जा रहा है कि टूरिस्ट बस अपनी साइड से ही जा रही थी कि सामने से तेज गति में आ रही बोलेरो सीधे टकरा गई। बोलेरो में सवार चालक समेत 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।

बस में सवार श्रद्धालु घायल रोडमल ने बताया दुर्घटना के समय बस में सवार ज्यादातर लोग सो रहे थे, अचानक भीषण टक्कर हुई। दुर्घटना के समय मैं जाग रहा था और बस के केबिन में बैठा था। बोलेरो तेज गति में आकर सामने से भिड़ गई। सभी की मृतकों की शिनाख्त उनकी जेब में मिले आधार कार्ड और मोबाइल नंबर से हो पाई। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है। परिजन छत्तीसगढ़ से रवाना हो चुके हैं। बोलेरो में सवार सभी श्रद्धालु छत्तीसगढ़ से सीधे प्रयागराज महाकुंभ जा रहे थे।

कुम्भ की तम्बीरें

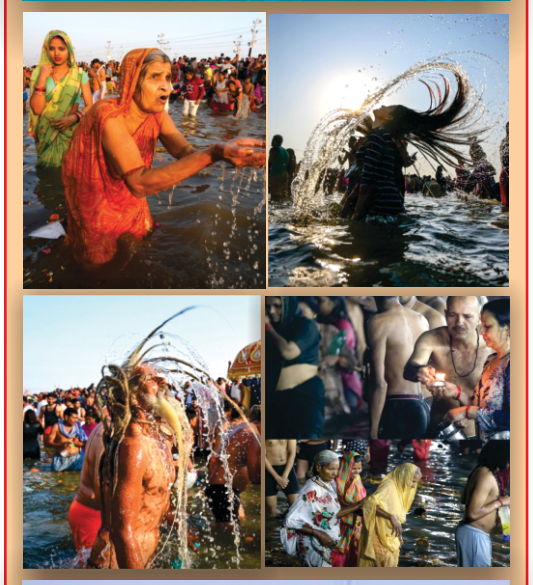

माघी पूर्णिमा के मौके पर त्रिवेणी घाट पर श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब

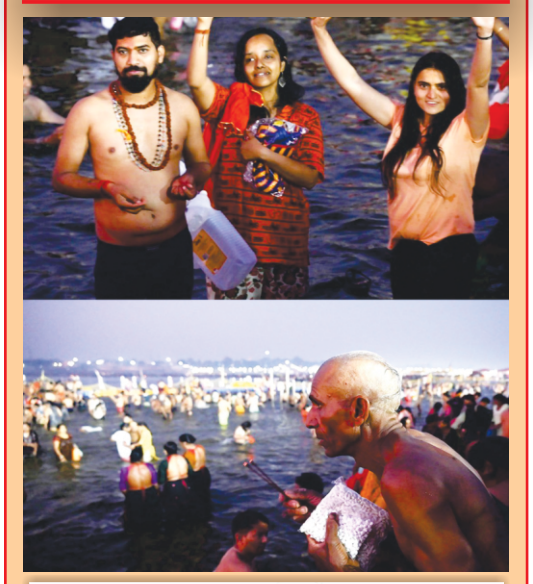

माघी पूर्णिमा के मौके पर सुबह 8 बजे तक 1.02 करोड़ लोगों ने लगाई डुबकी

शादी के चार साल बाद भी बेऔलाद होने से परेशान रहती थी नीरज

पति ने पत्नी का गला रेता

गोरखपुर। गोरखपुर के हरपुर बुदहट में महिला की गला रेत कर हत्या के मामले में पुलिस फरार आरोपी पति पप्पू पांडेय की तलाश में दबिश दे रही है। महिला नीरज की मां ने आरोप लगाया है कि दामाद ने बेटी की बेरहमी से हत्या की है। पति–पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता था। गोरखपुर में बच्चे की चाहत में नीरज राय उर्फ लाला (24) झाड़–फूंक और पूजा–पाठ कराती रहती थी। शादी के चार साल हो गए थे, अभी तक बच्चा न होने का मलाल हमेशा रहता था। वह चाहती थी कि एक दिन मां बने। छोटे बच्चों को देखकर वह खुश हो जाया करती थी। लेकिन इससे पहले ही दामाद (उसके पति) ने बेरहमी से उसे मार दिया। नीरज की मां पानमति देवी ने बताया कि सोमवार को भी यही लगा कि नीरज कहीं पूजा पाठ कराने गई है। हरपुर बुदहट के रामनगर सुरसा गांव में विवाहिता की हत्या के बाद लगातार पुलिस टीम पूछताछ के लिए आ रही है।

पानमति देवी की तहरीर पर नीरज उर्फ लाला की हत्या के आरोप में संतकबीरनगर निवासी उसके पति पप्पू पांडेय पर केस दर्ज कर हरपुर–बुदहट पुलिस उसकी तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस उस तक पहुंच गई थी लेकिन एन वक्त पर उसने सिमकार्ड तोड़कर फेंक दिया और वहां से भाग गया। फिलहाल उसके मोबाइल का सीडीआर निकाल कर पुलिस ने उसके रिश्तेदार और परिचितों के यहां दबिश शुरू कर दी है। पप्पू लुधियाना में काम करता था, लिहाजा वहां भी पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। इधर, मंगलवार को नीरज के शव को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। देर शाम तक अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। उधर, पुलिस की जांच में पता चला है कि पति–पत्नी में किसी बात को लेकर हमेशा झगड़ा होता था। नीरज ने अपने पति के खिलाफ मेंहदावल थाने में केस भी दर्ज कराया था। हालांकि बाद में उनके बीच समझौता हो गया था पर झगड़ा बंद नहीं हुआ।

कलह के बाद नीरज को लुधियाना में छोड़ आया था पप्पू

नीरज की शादी 2021 में पप्पू से हुई थी। शादी के बाद पप्पू उसे लेकर लुधियाना गया था। वह वहीं पर कपड़े की फैक्ट्री में काम करता था। लुधियाना में कुछ दिनों बाद पप्पू को उस पर किसी बात को लेकर शक करने लगा। इसके बाद उनके बीच कलह होने लगी और यही वजह थी कि उसे लुधियाना ही छोड़कर ही घर चला आया था। किसी तरह से नीरज घर आई और विवाद काफी बढ़ने पर उसने केस दर्ज कराया था। हालांकि पप्पू ने पंचायत में माफी मांग ली थी और सुधरने का वादा किया था। इसके बाद मामला खत्म हो गया था।

खेत की तरफ गई थी, तभी रेता गला

पुलिस के अनुसार, सुबह पांच बजे महिला अपने घर से खेत की तरफ निकली थी। उसका पति भी पीछे–पीछे निकला था। खेत में ही पति ने पीछे से गला रेता दिया। यही वजह थी कि वह अर्धनग्न हाल में मिली थी।

घटनाक्रम

हरपुर बुदहट निवासी स्व. ब्रम्हदेव राय की बेटी 24 वर्षीय नीरज उर्फ लाला की संतकबीरनगर जिले के मेंहदावल थाना क्षेत्र के समोगर गांव निवासी पप्पू पांडेय से चार साल पहले शादी हुई थी। हरपुर बुदहट इलाके के रामनगर सूरस गांव में सोमवार भोर में विवाहिता की गला रेतकर हत्या कर दी गई। शव गांव के पास ही सरसों के खेत में अर्धनग्न अवस्था में मिला था। नीरज की छोटी बहन की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का केस पति पप्पू पांडेय पर दर्ज किया है।

संपत्ति कर पर राहत 2 साल का माफ...

शहरवासियों को दो साल के बढ़े हुए संपत्ति कर से राहत मिलने की उम्मीद है। उन्हें केवल वित्तीय वर्ष 2023–24 और 2024–25 का बढ़ा हुआ टैक्स देना पड़ेगा। वित्तीय वर्ष 2021–22 और 2022–23 का बढ़ा टैक्स नहीं लगेगा। यदि इसमें किसी ने बढ़ा टैक्स जमा किया है, तो उसको समायोजित किया जाएगा। इसके लिए कार्यकारिणी समिति ने मंजूरी दे दी है। अब निगम शासन को पत्र लिखकर इसमें मार्गदर्शन लेगा। नगर निगम कार्यकारिणी समिति की सातवीं बैठक मंगलवार को मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सपा के सदस्यों ने बढ़े टैक्स के मुद्दे पर बैठक का बहिष्कार किया। बैठक में पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने जीआईएस का मुद्दा उठाया। इस पर कार्यकारिणी ने फैसला लिया कि वित्तीय वर्ष 2021–22 और 2022–23 में रिवाइज टैक्स जमा करने वालों को राहत दी जाएगी। इस बाबत शासन को पत्र भेजकर गाइड लाइन ली जाएगी। शासन से राहत मिलती है तो जमा हुई अतिरिक्त रकम को आगामी बिल में समायोजित किया जाएगा।

पार्षद पवन त्रिपाठी ने कहा कि बढ़े हुए कर पर आपत्ति के प्रोफॉर्मा को सार्वजनिक किया जाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके। बैठक में नगर निगम की तरफ से वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए 1281.88 करोड़ रुपये के आय और 910.93 करोड़ रुपये के व्यय के बजट को मंजूरी दे दी। इस दौरान नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल, उपसभापति धर्मदेव चौहान, अजय ओझा, रवींद्र सिंह, अजय राय आदि उपस्थित रहे।

एमएलसी की भांजी ने की खुदकुशी

फंदे से झूलता मिला शव हॉस्टल में रहती थी

गोरखपुर। गोरखपुर में संत कबीर नगर की रहने वाली एक छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी है। हालांकि पुलिस ने जांच में अभी कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गोरखपुर में संतकबीर नगर की रहने वाली एक छात्रा ने खुदकुशी की है। शहर के बेतियाहाता के एक कोचिंग सेंटर में वो जेई की पढ़ाई करती थी। इलाके के ही सत्यदीप गर्ल्स हॉस्टल में अपने सहयोगी छात्रा के साथ रुम साझा कर रहती थी।

बुधवार दोपहर में छात्रा का शव कमरे के पंखे से झूलता मिला। संतकबीरनगर के मेंहदावाल थाना इलाके के मिश्रौलिया की रहने वाली थी अदिति।

जानकारी के मुताबिक, कमरे में साथ रहने वाली दूसरी साथी लड़की किसी काम से कमरे से बाहर गई थी। वापस आई तो कमरे का दरवाजा बंद मिला। इसकी सूचना उसने जिम्मेदारों को दी। फाटक तोड़ा गया तो अंदर अदिती का शव पंखे से झूलता मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया था।

कुम्भ की तम्बीरें

महाकुंभ में माघ पूर्णिमा पर 1.59 करोड़ ने डुबकी लगाई: 15 किमी तक भीड़, श्रद्धालुओं पर 25 क्विंटल फूल बरसाए

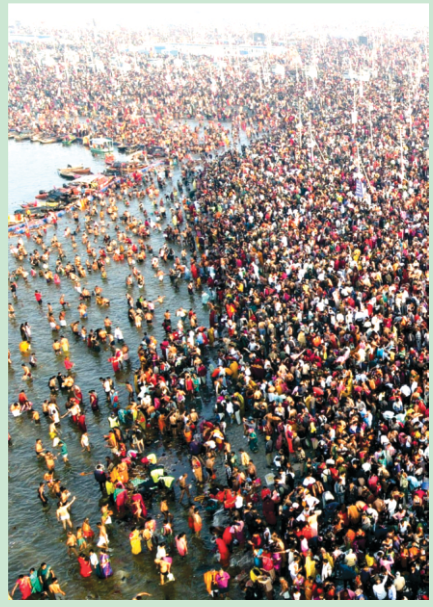

US उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बेटे के बर्थडे में पहुंचे PM मोदी

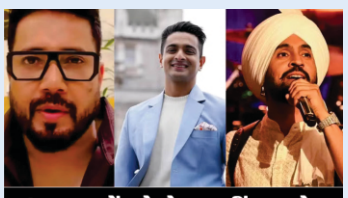

'इन गधों को रोक नहीं सकते, हमें तो नोटिस आ जाता है..' रणवीर इलाहाबादिया विवाद पर बोले मीका सिंह

राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का निधन

अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का आज लखनऊ के एसजीपीजीआई में निधन हो गया। अस्पताल ने इसकी पुष्टि की है। उन्हें 3 फरवरी को एसजीपीजीआई में भर्ती कराया गया था और स्ट्रोक आने के बाद वह न्यूरोलॉजी वार्ड एचडीयू में थे।

UP के शहरों में विकास कार्यों की रैंकिंग हुई जारी 69वें स्थान पर मथुरा

काशी (वाराणसी), मथुरा, अयोध्या और प्रयागराज ये चारों जिले सरकार की आंख के तारे हैं। तीर्थस्थल होने के साथ ही पर्यटन की अपार संभावनाओं वाले इन जिलों में विकास के लिए भी सरकार ने खजाना खोल रखा है लेकिन विकास की रफ्तार में ये जिले हारे हुए नजर आ रहे हैं। विकास कार्यों की रैंकिंग में मथुरा जहां 69वें स्थान पर है तो वहीं अयोध्या और वाराणसी की स्थिति भी ठीक नहीं है। वहीं महाकुंभ की नगरी प्रयागराज 74वें स्थान के साथ सबसे फिसड्डी है।

जिंदगी में बस इतना पैसा कमाओ की लाइन का या भीड़ की वजह से रुकना ना पड़े

"सरकार ने अभी तक मृतकों का आंकड़ा नहीं दिया"
- अखिलेश यादव ने महाकुंभ भगदड़ में मृतकों की संख्या पर फिर उठाए सवाल

"कानून तोड़ने वाले कानून कैसे बना सकते हैं: अपराधी सरकारी नौकरी नहीं कर सकता, तो दोषी नेता चुनाव कैसे लड़ सकता है"
- सुप्रीम कोर्ट

पीएम मोदी ने फ्रांस में वाणिज्य दूतावास का किया उद्घाटन
मार्से में वाणिज्य दूतावास का शुभारंभ किया

"फ्रीबीज़ (मुफ़्त की योजनाएं) की वजह से लोग काम करने से बचना चाह रहे हैं. लोगों को बिना काम किए पैसे मिल रहे हैं. ऐसे में उन्हें मुख्यधारा में लाना प्राथमिकता है"
सुप्रीम कोर्ट

"सरकार मिडिल क्लास को एक आत्मा रहित कंकाल समझती है जिसकी हड्डियों पर चढ़ के 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाना चाहती है. गरीबों के लिए सब्सिडीज लाई जाती है, अमीरों के लिए रिबेट, टैक्स इंसेंटिव लाया जाता है. मिडल क्लास को कुछ हासिल नहीं होता. ऐसा लगता है कि मिडल क्लास सोने का अंडा देने वाली वो मुर्गी है जिसकी गर्दन जब चाहे मरोड़ के टैक्स वसूल लिया जाए."

राघव चड्ढा
आप सांसद

संगम में आस्था की डुबकी

माघी पूर्णिमा पर उमड़ा श्रद्धालुओं का रेला
अब तक 46.25 करोड़ ने लगाई आस्था की डुबकी

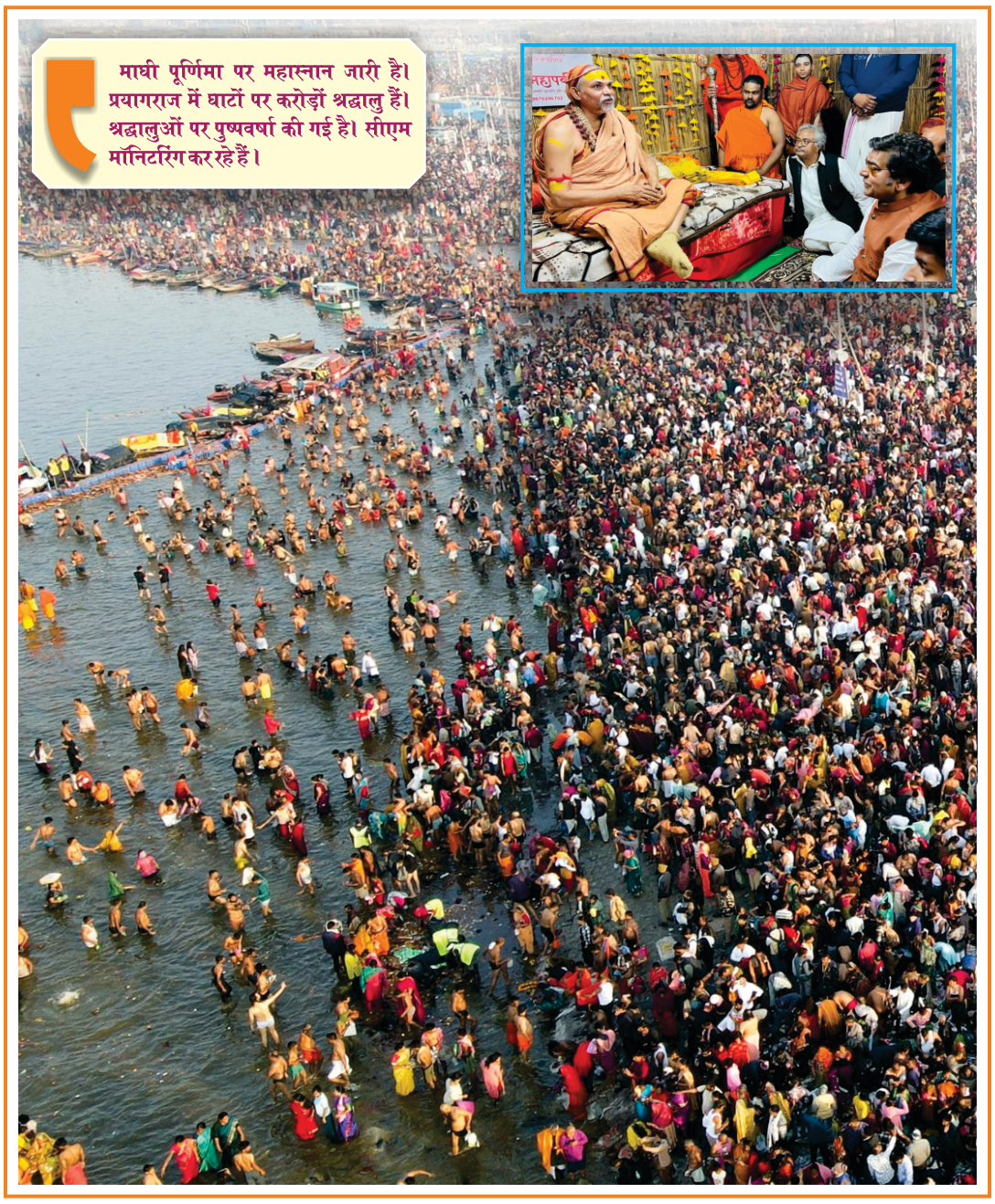

माघी पूर्णिमा पर महास्नान जारी है। प्रयागराज में घाटों पर करोड़ों श्रद्धालु हैं। श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की गई है। सीएम मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

प्रयागराज। माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर धर्म, अध्यात्म और आस्था के महासमागम महाकुंभ में पुण्य सलिला भगवती मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य सरस्वती की पावन त्रिवेणी में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने सपरिवार आस्था की डुबकी लगाकर लोक कल्याण व पुण्य की कामना की।

एक से आठ तक की कक्षाएं आनलाइन चलेंगी

महाकुंभ के मौके पर शहर में आवागमन को देखते हुए एक से आठ तक की कक्षाएं 15 फरवरी तक ऑनलाइन चलेंगी। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी की ओर से जारी आदेश के अनुसार यह व्यवस्था सभी बोर्ड के स्कूलों में रहेगी।

माघी पूर्णिमा पर शाम छह बजे तक दो करोड़ ने किया स्नान

माघी पूर्णिमा के मौके पर महाकुंभ में 12 फरवरी को शाम 6 बजे तक कल्पवास में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु हैं वहीं 1.90 करोड़ लोग महाकुंभ पहुंचे हैं। आज अब तक दो करोड़ लोगों ने स्नान किया है। वहीं बीती 11 फरवरी तक महाकुंभ में 46.25 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई है।

प्रयागराज में राम घाट पर संध्या आरती

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला चल रहा है। इस दौरान आज यहां प्रयागराज में राम घाट पर संध्या आरती की गई।दिग्विजय सिंह ने संगम में लगाई डुबकी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद दिग्विजय सिंह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ क्षेत्र पहुंचे हैं। जहां उन्होंने संगम में डुबकी लगाई। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि मैं पिछले 3 कुंभ से यहां (प्रयागराज) स्नान करता आया हूं। महाकुंभ में जो दुर्घटना हुई है उस पर हम अपना दुख प्रकट करते हैं। कहीं न कहीं कमी रही क्योंकि कहा गया था कि महाकुंभ में 100 करोड़ लोगों की व्यवस्था है। इसे (महाकुंभ) इवेंट नहीं मानना चाहिए यह हमारी आस्था का प्रश्न है।

रेल सेवा का लाभ उठाकर लाखों लोग अपने–अपने घरों की ओर प्रस्थान

भारतीय रेलवे के ईडीआईपी दिलीप कुमार ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग संगम में स्नान करने आए हुए हैं। इस विशेष दिन के लिए हमने सभी योजनाएं बनाई हुई हैं। शाम चार बजे तक हम 200 से अधिक गाड़ियों का परिचालन कर चुके हैं। रेल सेवा का लाभ उठाकर करीब 11 लाख लोग अपने–अपने घरों की ओर प्रस्थान कर चुके हैं। हमने 1186 सीसीटीवी कैमरे पूरे प्रयाग क्षेत्र में लगाए हैं।

कल तक महाकुंभ में 50 करोड़ लोग लगा लेंगे डुबकी

उत्तर प्रदेश के बागपत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ में कल तक 50 करोड़ लोग डुबकी लगा लेंगे। सीएम योगी ने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों की आदत है, चोरी छिपे उन लोगों ने कोरोना की वैक्सीन लगवाई और दुनिया को कहते रहे कि मत लगाओ। ऐसे ही चोरी छिपे संगम में डुबकी लगाकर आ गए। लेकिन जनता को कह रहे हैं मत जाओ।

अपने पेट संग नजर आईं रीम, फैंस बोले- 'दोनों की आंखें बहुत प्यारी हैं'

'नीर भरे तेरे नैना देवी' शो से रीम ने अपने करियर की शुरुआत की थी

काजल राघवानी को पवन सिंह ने कर लिया सेट

मुम्बई। काजल राघवानी की कातिलाना अदाएं और पवन सिंह का जलवा दर्शकों को बार–बार गाने देखने को मजबूर कर रहा है. गाने के वीडियो में पवन सिंह का बेहतरीन अंदाज और काजल राघवानी का ग्लैमरस लुक दर्शकों को दीवाना बना रहा है. पवन सिंह को भोजपुरी सिनेमा जगत का पावरस्टार कहा जाता है. पवन सिंह अपनी आवाज और एक्टिंग से लाखों दिलों पर राज करते हैं. वहीं भोजपुरी की श्हॉट केकश कही जाने वाली एक्ट्रेस काजल राघवानी भी अलग भौकाल मचा कर रहतीं हैं. जब ये दोनों स्टार साथ आते हैं तो दर्शकों का दिल जीत लेते हैं. अब पवन सिंह और काजल राघवानी का एक पुराना गाना यूट्यूब पर खूब देखा जा रहा है.

बेहद रोमांटिक गाना रिहर्सल करा दी

पवन सिंह और काजल राघवानी ने कई सुपरहिट फिल्मों में साथ काम किया है. जब भी वे स्क्रीन पर नजर आते हैं, उनकी केमिस्ट्री धमाल मचा देती है. इन दिनों दोनों का एक पुराना, लेकिन बेहद रोमांटिक गाना रिहर्सल करा दी फिर से देखा जा रहा है. यह गाना फिल्म मैंने उनको सजन चुन लिया का है, जिसमें पवन सिंह और काजल राघवानी की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है.

पवन सिंह का बेहतरीन अंदाज और काजल राघवानी का ग्लैमरस लुक

पवन सिंह और इंदु सोनाली ने चल चला रानी रिहर्सल करा दी गाने को अपनी आवाज दी है. गाने के वीडियो में पवन सिंह का बेहतरीन अंदाज और काजल राघवानी का ग्लैमरस लुक दर्शकों को दीवाना बना रहा है. पवन सिंह की स्मार्टनेस और काजल राघवानी का कातिलाना अंदाज इस गाने की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है.

दोनों का डांस परफश्वमेंस भी लाजवाब

गाने को शानदार तरीके से फिल्माया गया है. दोनों का डांस परफॉर्मेंस भी लाजवाब है. काजल राघवानी की कातिलाना अदाएं और पवन सिंह का जलवा दर्शकों को बार–बार गाने देखने को मजबूर कर रहा है. गाने की सफलता का सबसे बड़ा राज इसका बेहतरीन प्रोडक्शन, जोशीला संगीत और जबरदस्त केमिस्ट्री है. पवन सिंह का बेजोड़ अंदाज और काजल राघवानी के एक्सप्रेशन हमेशा ही दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

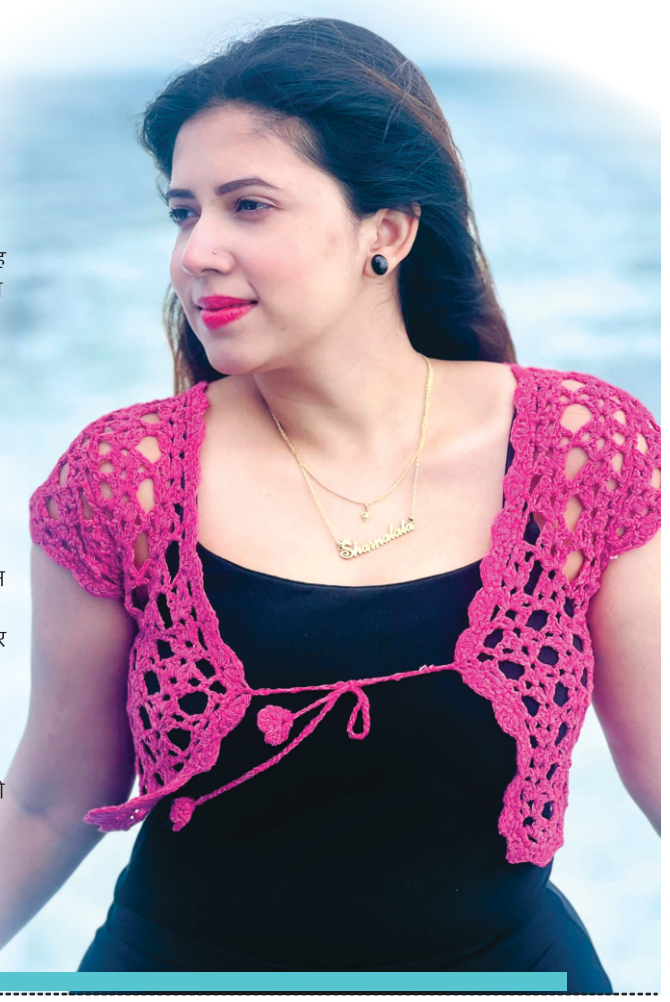

पूछताछ के लिए Apoorva Makhija गईं पुलिस स्टेशन

इंडियाज गाट लैटेंट में रणवीर इलाहाबादिया ने जो कमेंट किया है उस पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में सरकार ने भी हस्तक्षेप किया है ऐसे में यूट्यूबर्स की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाल ही में रिबेल किड के नाम से मशहूर अपूर्वा मखीजा को पुलिस स्टेशन जाना पड़ा।

अपूर्वा मखीजा को भेजा गया था समन पूछताछ के लिए स्टेशन गईं अपूर्वा मखीजा समय रैना के शो में हुआ था विवाद

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। जाने–माने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया इन दिनों अपने विवादित बयान को लेकर चर्चा में हैं। स्टैंड–अप कश्वमेडियन समय रैना और अपूर्वा मखीजा भी इस विवाद में फंस गए हैं। अपूर्वा मखीजा को पूछताछ के लिए पुलिस स्टेशन भी बुलाया गया। समय रैना के शो इंडियाज गश्वट लैटेंट की मुश्किलें दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है। शो समय रैना का है जहां गेस्ट जज बनकर फेमस पश्वडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया, डिजिटल क्रिएटर अपूर्वा मखीजा, यूट्यूबर आशीष चंचलानी जैसे क्रिएटर्स बैठे थे। इस दौरान रणवीर और अपूर्वा ने विवादित बयान देकर सभी का ध्यान खींचा था।

10 सबसे अमीर महिला यूट्यूबर्स

डिजिटल डेस्क। समय यूट्यूब, कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म बन गया है और बड़ी संख्या में भारतीय महिला यूट्यूबर्स ने अपनी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाई है और काफी पैसे कमाए हैं। कॉमेडी और तकनीक से लेकर भोजन और सौंदर्य तक, इन महिलाओं ने बड़े पैमाने पर फैन्स और अच्छे पैसे बनाए हैं। महिला यूट्यूबर्स ने ब्रांड भागीदारी, यूट्यूब विज्ञापन के माध्यम से पैसे कमाए हैं। कुछ ने तो अपना व्यवसाय भी शुरू किया और जानी–मानी कंपनियों के साथ काम किया।

1. श्रुति अर्जुन आनन्द

श्रुति ने अपना यूट्यूब करियर साल 2010 में मेकअप और ब्यूटी टिप्स पर ध्यान केंद्रित कर शुरू किया। वह धीरे–धीरे फैशन, लाइफस्टाइल और पारिवारिक मनोरंजक वीडियो भी बनाने लगीं। उनके 1.2 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं।

2. निशा मधुलिका

निशा मधुलिका ने साल 2011 में अपना यूट्यूब चौनल शुरू किया था और वो साधारण शाकाहारी व्यंजन बनाने का वीडियो पोस्ट करती हैं। वह अपने खाना पकाने के तरीकों के कारण घरेलू महिलाओं के बीच काफी पसंद की जाती हैं। फिलहाल निशा मधुलिका के 1.47 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं।

3. कोमल पांडे

कोमल पांडे ने 2017 में सुंदरता, फैशन और स्टाइल पर जोर देते हुए अपना यूट्यूब चौनल लॉन्च किया। अपना चौनल शुरू करने से पहले कोमल पांडे ने व्वचग्व के साथ काम किया था।

> *भारत से 10 सबसे सफल महिला यूट्यूबर्स प्राजक्ता कोली के कितने हैं फालोवर्स कौन है भारत की नंबर–1 महिला यूट्यूबर?*

4. प्राजक्ता कोली

प्राजक्ता ने मोस्टलीसेन नाम से साल 2015 में अपना यूट्यूब चौनल शुरू किया और अब उसके 72 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। वह कॉमेडी कंटेंट बनाती हैं। उनके मनोरंजक और दिलचस्प वीडियो के कारण उनके बड़ी संख्या में फैंस हैं।

5. अनिशा दीक्षित

रिक्शावाली के नाम से मशहूर अनीशा दीक्षित ने 2013 में अपना यूट्यूब करियर शुरू किया था। वह अक्सर अपने कॉमेडी और ह्यूमर के जरिए वास्तविक जीवन की स्थितियों को अपने वीडियोज में दर्शाती हैं। उनके चौनल पर फिलहाल 34.4 लाख सब्सक्राइबर्स हैं।

6. निहारिका सिंह

कैप्टन निक, जिनका असली नाम निहारिका है, उन्होंने अपना यूट्यूब करियर 2016 में शुरू किया था। उनका कंटेंट काफी दिलचस्प होता है क्योंकि वह अपने वीडियो में कई भूमिकाएं निभाती हैं और अपनी कॉमेडी के लिए फेमस हैं। कैप्टन निक के इस समय 24.5 लाख सब्सक्राइबर्स हैं।

7. पूजा लूथरा

पूजा लूथरा अपने यूट्यूब चौनल पर वेलनेस, स्कीन की देखभाल और क्प् जैसे वीडियोज पोस्ट करती हैं। पेश करने के लिए अपना यूट्यूब चौनल बनाया। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने काफी ज्यादा फैंस बनाए हैं। पूजा के चौनल पर 76 लाख सब्सक्राइबर्स हैं।

8. कबिता सिंह

कबिता सिंह का चौनल ष्कबीताज किचनष् 2014 में लॉन्च किया गया था, जिसके वर्तमान में 1.43 करोड़ सब्सक्राइबर्स हैं। वह भारत की सबसे लोकप्रिय फूड यूट्यूबर्स में से एक हैं, जो अपनी रसोई से नॉर्मल और स्वादिष्ट भोजन के वीडियोज पोस्ट करती हैं।

9. कोमल गुडन

कोमल गुडन ने अपने यूट्यूब करियर की शुरुआत सुंदरता और फैशन पर वीडियो पोस्ट करके की। त्वचा की देखभाल, स्टाइल और सौंदर्य संबंधी चीजों को शेयर करना शुरू किया जिसके बाद बड़ी संख्या में उनके फैंस बने। उनके चौनल का नाम सुपर स्टाइल टिप्स है और इस समय उनके 39 लाख सब्सक्राइबर हैं।

10. हिमांशी टेकवानी

टेट ग्लैम गर्ल चैनल के लिए मशहूर हिमांशी के यूट्यूब चैनल पर 52 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। हाल ही में, ग्लैमर गर्ल और उनके पति ऋषि अठवानी अपने तलाक के कारण विवादों में थे।

समय में सोशल मीडिया लोगों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अच्छा माध्यम बन गया है। लोग इंस्टाग्राम से लेकर यूट्यूब पर अपना कंटेंट बनाकर लाखों की कमाई भी कर रहे हैं। भारत में कई ऐसी महिला यूट्यूबर्स हैं जिनकी कमाई करोड़ों में है और उनके सब्सक्राइबर्स दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। ये यूट्यूबर्स अपने कंटेंट से लोगों का काफी मनोरंजन भी करती हैं।

कोहली के एशिया में 16 हजार रन पूरे

इंग्लैंड के खिलाफ टाप इंडियन स्कोरर बने, भारत लगातार 10वें वनडे में टास हारा

अहमदाबाद। भारत ने तीसरे वनडे में इंग्लैंड को 142 रन से हरा दिया। टीम ने अहमदाबाद का दूसरा हाईएस्ट टोटल 356 का स्कोर बनाया। शुभमन गिल ने 112 रन की पारी खेली। इंग्लैंड टीम 34.2 ओवर में 214 रन पर ऑलआउट हो गई। रिकॉर्ड्स में विराट और गिल का नाम रहा। एशिया में विराट के 16 हजार रन पूरे हो गए। वे इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बैटर भी बने। इसके अलावा, भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

विराट कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में 3 अलग-अलग देशों के खिलाफ 4 हजार प्लस रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5393, श्रीलंका के खिलाफ 4076 और इंग्लैंड के खिलाफ 4036 रन बना लिए हैं।

भारत लगातार 10 वनडे में टॉस हार चुका है। टीम ने अपना आखिरी टॉस 2023 वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में जीता था। भारत से पहले नीदरलैंड ने मार्च 2011 से अगस्त 2013 के बीच लगातार 11 टॉस हारे थे।

1. एशिया में विराट के 16 हजार रन पूरे स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के एशिया में 16 हजार रन पूरे हो गए। उन्होंने बुधवार को 52 रन की पारी खेली। इसके साथ ही एशिया में खेले 312 मैचों में कोहली 16,025 रन बना चुके हैं। रिकॉर्ड में पहले स्थान पर सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने 411 मैच में 21,471 रन बनाए हैं। कोहली इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं, लेकिन औसत और पारियों की संख्या के लिहाज से वे अव्वल हैं।
2. कोहली इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। वे 87 मैच में 4036 रन बना चुके हैं।
3. शुभमन ने 2022 से 13 इंटरनेशनल शतक लगाए ओपनर शुभमन गिल ने 2022 के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट में 13 शतक लगाए हैं। उन्होंने इस मामले में इंग्लैंड के जो रूट की बराबरी कर ली। विराट कोहली भी 2022 के बाद 11 इंटरनेशनल शतक लगा चुके हैं।
4. गिल के वनडे में 50 इनिंग के बाद सबसे ज्यादा रन शुभमन गिल 50 इनिंग के बाद सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले प्लेयर बन गए हैं। वे अब तक करीब 60 की औसत से 2587 रन बना चुके हैं। दूसरे नंबर पर साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला हैं, जिन्होंने 50 इनिंग के बाद 2486 रन बनाए थे।

एशिया में सबसे ज्यादा रन
(इंटरनेशनल)

प्लेयर	टीम	मैच	रन	औसत
सचिन तेंदुलकर	भारत	411	21741	50.91
कुमार संगाकारा	श्रीलंका	362	18423	49.52
महेला जयवर्धने	श्रीलंका	388	17386	43.35
विराट कोहली	भारत	312	16025	56.82

इंग्लैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा रन
(इंटरनेशनल)

प्लेयर	मैच	रन	औसत
विराट कोहली	87	4036	41.18
सचिन तेंदुलकर	69	3990	48.65
एम एस धोनी	83	2999	40.52
राहुल द्रविड़	52	2993	50.72

अहमदाबाद में हाईएस्ट वनडे टोटल

रन	टीम	खिलाफ	साल
365/2	सा. अफ्रीका	इंडिया	2010
356	इंडिया	इंग्लैंड	2025
325/5	इंडिया	वेस्टइंडीज	2002
324/4	वेस्टइंडीज	इंडिया	2002

आरसीबी ने आईपीएल 2025 के लिए कप्तान का किया एलान, कोहली नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क। कप्तान की दौड़ में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी शामिल थे, लेकिन टीम प्रबंधन ने पाटीदार के नाम का एलान किया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी आईपीएल सीजन के लिए नए कप्तान की घोषणा कर दी है। आरसीबी ने गुरुवार को बताया कि रजत पाटीदार टीम के नए कप्तान होंगे और टीम उनके नेतृत्व में अपने पहले खिताब की तलाश में उतरेगी। कप्तान की दौड़ में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भी शामिल थे, लेकिन टीम प्रबंधन ने पाटीदार के नाम का एलान किया।

पाटीदार के पास कप्तानी का अनुभव

रजत पाटीदार शुरुआत से ही कप्तान बनने की दौड़ में शामिल थे। पाटीदार उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें फ्रेंचाइजी ने आगाजी सीजन के लिए रिटेन किया था। पाटीदार के पास सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की कप्तानी करने का अनुभव है। 31 वर्षीय पाटीदार ने मध्य प्रदेश को अपनी कप्तानी में सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया था, लेकिन टीम को खिताबी मुकाबले में मुंबई से पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। पाटीदार टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज थे। उनसे आगे अजिंक्य रहाणे थे जिन्होंने 10 मैचों में 61 के औसत और 186.08 के स्ट्राइक रेट से 428 रन बनाए थे।

आरसीबी के आठवें कप्तान

पाटीदार 2021 से आरसीबी से जुड़े हुए हैं और आरसीबी के आठवें कप्तान हैं। पाटीदार को आईपीएल 2021 सत्र के बाद रिलीज कर दिया गया था, लेकिन 2022 में वह रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के तौर पर टीम से जुड़े थे। पाटीदार ने लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में नाबाद 112 रनों की पारी खेली थी और वह आईपीएल इतिहास के पहले अनकैप्ड बल्लेबाज थे जिन्होंने प्लेऑफ मैच में शतक लगाया था। पाटीदार ने 2024 सीजन में आरसीबी के लिए 15 मैच खेले और 395 रन बनाए जिसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं।

आरसीबी पिछले सत्र में प्लेऑफ तक पहुंचने में सफल रही थी और उसने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम का सफर एलिमिनेटर दौर में समाप्त हो गया था। आरसीबी ने 2025 सत्र के लिए पाटीदार, कोहली और यश दयाल को रिटेन किया था। टीम की कमान 2022 से फॉफ डुप्लेसिस संभाल रहे थे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने इस सीजन से पहले उनसे राहें जुदा कर ली थी। आरसीबी ने मेगा नीलामी से पहले डुप्लेसिस को रिलीज कर दिया था। 40 वर्षीय डुप्लेसिस इस सीजन दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलेंगे।

आरसीबी ने अब तक नहीं जीता खिताब

आरसीबी उन टीमों में शामिल है जिसने अब तक कभी आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। टीम तीन बार फाइनल में पहुंची है और आखिरी बार उसने खिताबी मुकाबला 2016 में खेला था। आरसीबी पिछले पांच सत्र में से चार बार प्लेऑफ में पहुंचने में सफल रही है। टीम पिछले सीजन खराब शुरुआत के बाद वापसी करने में सफल रही थी। टीम ने अपने आखिरी छह लीग चरण के मैच जीते थे और शीर्ष-4 में पहुंची थी, लेकिन एलिमिनेटर में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

केकेआर और दिल्ली ने नहीं खोले पत्ते

आरसीबी ने अपने कप्तान की घोषणा कर दी है, लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स टीम ने अब तक आगामी सीजन के लिए कप्तान का एलान नहीं किया है। श्रेयस अय्यर ने पिछले सीजन केकेआर को आईपीएल खिताब दिलाया था, लेकिन इस सीजन वह पंजाब किंग्स की कमान संभालेंगे। वहीं, अब तक दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी कर रहे ऋषभ पंत अब लखनऊ सुपरजाएंट्स के कप्तान होंगे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः- 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

बुमराह के बाहर होने पर कपिल देव की आई प्रतिक्रिया

स्पोर्ट्स डेस्क। वर्ष 2024 में शानदार प्रदर्शन करने के कारण आईसीसी के टेस्ट और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुने गए बुमराह पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण मंगलवार को आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। भारतीय टीम ने बुमराह की जगह तेज गेंदबाज हर्षित राणा को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया था।भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। बुमराह का बाहर होना भारत के लिए झटका है जो 19 फरवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट को जीतने का प्रबल दावेदार है। बुमराह के बाहर होने को लेकर अब पूर्व कप्तान कपिल देव की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। कपिल का कहना है कि बुमराह जैसे खिलाड़ी का बाहर होना किसी भी टीम के लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

भारत ने टीम में किए थे दो बदलाव

वर्ष 2024 में शानदार प्रदर्शन करने के कारण आईसीसी के टेस्ट और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुने गए बुमराह पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण मंगलवार को आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। भारतीय टीम ने बुमराह की जगह तेज गेंदबाज हर्षित राणा को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया था। इतना ही भारत ने प्रारंभिक टीम में दो बदलाव किए थे। बुमराह के अलावा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेंगे और उनकी जगह स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को शामिल किया गया था।

कपिल ने कहा, बुमराह ने पिछले दो वर्षों में शानदार प्रदर्शन करके अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है। मुझे नहीं लगता कि दुनिया के किसी अन्य तेज गेंदबाज ने उनकी तरह प्रभावशाली प्रदर्शन किया हो। बुमराह, रविचंद्रन अश्विन, अनिल कुंबले, जहीर खान जैसे मैच विजेता खिलाड़ियों का चोटिल हो जाना किसी भी टीम के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। मैं यही उम्मीद करता हूं कि बुमराह जल्द से जल्द वापसी करें क्योंकि एक बड़ा खिलाड़ी हमेशा बड़ा खिलाड़ी ही रहता है।